RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 10 दिसंबर 2024 वर्ष 06 अंक 238 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई भाजपा के कोलाबा विधायक राहुल नार्वेकर दूसरी बार विधानसभा के अध्यक्ष

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शिंदे और ठाकरे के मिले सुर...

इस मामले को लेकर कांग्रेस सरकार पर लगाया आरोप

मुंबई: कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार ने महाराष्ट्र एककीकरण समिति की ओर से सोमवार को बेलगावी में आयोजित होने वाले वार्षिक मराठी सम्मलेन पर इस साल पाबंदी लगा दी है। साथ ही राज्य की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस सरकार ने महाराष्ट्र से नेताओं के आने पर भी रोक लगा दी है। यह विवाद अब बढ़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र का सत्तापक्ष और विपक्ष एक सुर में बोल रहा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के बेलगाम में मराठी भाषी लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने मांग की कि इस क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। वहीं अब इस मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि ''कर्नाटक में मराठी भाषी लोगों ने एक सम्मेलन आयोजित किया था। इस देश में कोई भी कहीं भी रह सकता है, कहीं भी जा सकता है और सम्मेलन आयोजित कर सकता है, लेकिन कर्नाटक सरकार ने दमन चक्र चलाया और विधायक, महापौर और मराठी एकीकरण समिति के 100 से अधिक मराठी भाषी भाइयों और बहनों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने सम्मेलन का आयोजन किया था। मैं इसकी निंदा करता हूं।''

जनता कांग्रेस सरकार को सबक सिखाएगी

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सावरकर का सम्मान किया जाना चाहिए। मैं उन लोगों की निंदा करता हूं जो उनकी प्रतिमा को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा रुख स्पष्ट है, महाराष्ट्र और कर्नाटक की जनता कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को सबक सिखाएगी जो इस तरह के दमन का सहारा ले रही है।''

यह मराठी मानुस का मुद्दा

इधर शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने कहा कि ''यह किसी पार्टी का मुद्दा नहीं है, यह भाजपा, कांग्रेस या शिवसेना का मुद्दा नहीं है। यह मराठी मानुस का मुद्दा है। शिवसेना ने हमेशा मराठियों के लिए सही स्टैंड लिया है। हमारी प्राथमिकता है कि मराठी मानुस जो कर्नाटक के बेलगाम, निपानी में हैं उन्हें सुरक्षा दी जाए और उन्हें लोकतंत्र में जो अधिकार हैं वह मिले। अंबादास दावने ने कहा कि महाराष्ट्र और केंद्र में भाजपा की सरकार है, इसलिए अगर मराठी मानुस के साथ अन्याय हो रहा है तो केंद्र और महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को इसके लिए कदम उठाने चाहिए।

मुंबई की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा फेल...

अभी तक पहले चरण का सिर्फ 30 फीसदी काम ही पूरा हो पाया

मुंबई : तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दो साल के भीतर मुंबई की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा धरा का धरा रह गया है। नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण और दूसरे चरण का काम हाल ही में शुरू हुआ है और उपनगरों में भी काम तेजी से चल रहा है। अभी तक पहले चरण का सिर्फ 30 फीसदी काम ही पूरा हो पाया है। पिछले कुछ सालों से मुंबई में दो हजार किलोमीटर सड़कों का चरणबद्ध तरीके से कंक्रीटीकरण किया जा रहा है। इनमें से 50 फीसदी सड़कों का कंक्रीटीकरण हो चुका है। शिंदे ने 2022 में दो साल के भीतर मुंबई की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का संकल्प लिया था और मनपा प्रशासन को ऐसा करने का निर्देश दिया था। इसके बाद पहले चरण के काम के लिए 6,078 करोड़ रुपये के टेंडर आमंत्रित किए गए थे। इसमें से पांच नामी ठेकेदारों का चयन किया गया और जनवरी 2023 में कार्यादेश दिए गए। हालांकि नगर क्षेत्र की सड़कों का काम अक्टूबर में शुरू हो गया।

जबकि पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में काम की गति धीमी है। पहले चरण की 400 किलोमीटर सड़कों का काम पिछले दो सालों में सिर्फ.30 प्रतिशत ही पूरा हो पाया है। जबकि यह स्थिति है, दूसरे चरण के काम के लिए भी निविदाएँ आमंत्रित की गईं और अगस्त 2024 में कार्यादेश दिए गए। पहले चरण की 392 किलोमीटर लंबी सड़कों का काम अधूरा रहा, वहीं दूसरे चरण की 309 किलोमीटर लंबी सड़कों की कंक्रीटिंग का काम भी अक्टूबर से शुरू हो गया।

गोरेगांव में पीपल के पेड़ की बड़ी टहनी घर पर गिरी... छत क्षतिग्रस्त

मुंबई : गोरेगांव (पश्चिम) के जवाहर नगर में रविवार शाम पीपल के पेड़ की एक बड़ी सूखी टहनी एक घर पर गिर गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, घर की छत क्षतिग्रस्त हो गई। निवासियों का आरोप है कि उनके अनुरोध के बावजूद नगर पालिका ने इस पेड़ की टहनी काटने में देरी की है। जवाहर नगर में देवकृपा बिल्डिंग के परिसर में पिछले कई वर्षों से एक पीपल का पेड़ है, जिसकी परिधि लगभग 5-6 मीटर और ऊंचाई 45-50 मीटर है। वर्तमान में यह पेड़ पूरी तरह से सूख चुका है और इसकी शाखाएं इमारत से सटे चॉल में स्थित घर पर फैल गई हैं। इससे निवासियों की जान को खतरा पैदा हो गया है। इसी बीच 19 अक्टूबर को पेड़ की सूखी टहनी चॉल में स्थित एक घर पर गिर गई। निवासियों ने सूखे पेड़ की

छंटाई के संबंध में देवकृपा बिल्डिंग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है और नगर पालिका प्रशासन से टहनियों की छंटाई की मांग की है।

हालांकि, उन्हें नगर पालिका से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। रविवार शाम को अचानक क्षेत्र में एक पेड़ की बड़ी टहनी एक मकान पर गिर गई। टहनी ने मकान की छत तोड़ दी। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल कर्मी और संबंधित नगर निगम विभाग कार्यालय के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और टूटी टहनी को दुर्घटनास्थल से हटाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि पेड़ की अभी पूरी तरह से छंटाई नहीं की गई है, जिससे निवासियों की जान को खतरा बना हुआ है। नगर निगम से पेड़ की छंटाई के लिए कई बार अनुरोध किया जा चुका है। लेकिन नगर निगम ने इसे नजरअंदाज कर दिया। जब हादसा हुआ तो नगर निगम के कर्मचारी तुरंत पहुंचे। हालांकि अनुरोध के बाद तुरंत इसकी छंटाई करना जरूरी था। निवासियों का आरोप है कि नगर निगम के काम में देरी के कारण यह हादसा हुआ। इस बीच नगर निगम ने पेड़ की छंटाई की अनुमति पहले ही दे दी है।

कांदिवली में वायु प्रदूषण नियमों का पालन न करने वाले डेवलपर को काम बंद करने का नोटिस...

मुंबई : नगर निगम प्रशासन ने कांदिवली में वायु प्रदूषण नियमों का पालन न करने वाले एक डेवलपर को काम बंद करने का नोटिस भेजा है। नगर निगम ने इस डेवलपर को जनवरी में भी नोटिस भेजा था। अब एक बार फिर नोटिस भेजा गया है और नियमों का पालन न होने तक काम बंद रखने का आदेश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि नियमों का पालन न करने पर नियमानुसार कारावास या जुमार्ना लगाया जाएगा। पिछले दो-तीन सालों से मुंबई में सर्दी के आते ही प्रदूषण बढ़ रहा है। इसलिए दो साल पहले नगर निगम प्रशासन ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाए थे। नियमों में डेवलपर द्वारा निर्माण स्थल पर सावधानी बरतना भी अनिवार्य किया गया था।

नगर निगम प्रशासन ने इसकी निगरानी के लिए विभाग के तहत टीमें भी बनाई हैं। इन टीमों द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि चारकोप में एक डेवलपर ने नियमों का पालन नहीं किया है। इस स्थान पर चालीस मंजिला इमारत का निर्माण चल रहा है और इस दौरान कई खामियां पाई गईं, जैसे कि इमारत के चारों ओर नियमों के अनुसार हरा कपड़ा नहीं है, इसके आसपास का क्षेत्र पत्तों से ढका नहीं है, धूल को उड़ने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है और रडार स्टेशन खुला रहता है।

इसलिए आर साउथ डिवीजन ने इस डेवलपर को नोटिस भेजा है। चूंकि यह नोटिस दूसरी बार भेजा गया है, इसलिए इसमें मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475 के तहत कारावास या जुमार्ना लगाने की चेतावनी दी गई है। नोटिस में कहा गया है कि इस धारा के तहत पांच से पच्चीस हजार तक का जुमार्ना या एक महीने की कैद का प्रावधान है। महानगरपालिका प्रशासन को शिकायतें मिली थीं कि डेवलपर ने निर्माण स्थल पर किसी भी नियम का पालन नहीं किया है। इसलिए जब आर साउथ डिवीजन की टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तो पाया कि नियमों का पालन नहीं किया गया है। इसलिए इस डेवलपर को एक बार फिर काम रोकने का नोटिस जारी किया गया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नए गवर्नर की नियुक्ति...

काफी अटकलों के बाद सोमवार को केंद्र सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का गवर्नर नियुक्त कर दिया। वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो रहा है। मल्होत्रा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर से इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और उन्होंने प्रिंसटन विश्वविद्यालय से लोक नीति में स्नातकोत्तर की डिग्री ली है। वह भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1990 बैच के अधिकारी हैं। यह निर्णय दास के कार्यकाल के अनुभवों से प्रेरित हो सकता है। दास के कार्यकाल में सरकार और रिजर्व बैंक के बीच किसी तरह का मतभेद नजर नहीं आया। बहरहाल, बजट निर्माण की प्रक्रिया चल रही है और वित्त मंत्रालय को जल्दी ही मल्होत्रा के स्थान पर किसी को नियुक्त करना होगा।

विगत छह वर्षों का दास का कार्यकाल देश की अर्थव्यवस्था और रिजर्व बैंक दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा और इसकी प्रमुख वजह रही कोविड-19 महामारी। रिजर्व बैंक को आपातकालीन उपाय अपनाने पड़े और यह भी सुनिश्चित करना पड़ा कि वित्तीय व्यवस्था मजबूत बनी रहे। रिजर्व बैंक ने महामारी के दौरान और बाद में भी कई कदम उठाए लेकिन नीतिगत और वित्तीय स्थिरता के लिहाज से दो क्षेत्र ऐसे रहे जिन पर चर्चा की जा सकती है। पहली बात तो यह कि रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति को लक्षित करने वाला केंद्रीय बैंक है। हालांकि नीतिगत ब्याज दर तय करने की जिम्मेदारी अब छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की भी है लेकिन किसी भी गवर्नर का कार्यकाल आंशिक तौर पर इस आधार पर भी आंका जाएगा कि उसने मुद्रास्फीति का प्रबंधन किस प्रकार किया। इस संदर्भ में यह तर्क उचित है कि पिछले कुछ वर्षों में रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को कम करके आंका। हालांकि एक बार जब उसने नीतिगत सख्ती आरंभ की तो उसे समय से पहले वापस न लेकर अच्छा किया। एमपीसी की इच्छा है कि इंतजार करके अवस्फीति की प्रक्रिया को पूरा होने दिया जाए। दूसरा है बाहरी क्षेत्र का प्रबंधन। महामारी के दौरान आरंभिक स्थिरता के बाद जब बड़े वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने व्यवस्था में नकदी डालना शुरू किया और नीतिगत दरों को शून्य के करीब ले गए तो भारत में भी पूंजी की भारी आवक हुई।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

दहिसर से मीरा रोड मेट्रो 9 मार्ग पर उत्तन में 1,406 पेड़ों की कटाई का किया कड़ा विरोध...

मुंबई : दहिसर से मीरा रोड मेट्रो 9 मार्ग पर उत्तन में एक पहाड़ी पर कार शेड बनाया जा रहा है और इस कार शेड के लिए 1,406 पेड़ों को काटना पड़ेगा। तदनुसार, मीरा-भायंदर नगर निगम ने इस संबंध में नागरिकों से सुझाव और कार्रवाई मांगी है। नागरिकों, पर्यावरणविदों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का कड़ा विरोध किया है।

मीरा रोड, उत्तन में डोंगरी एकमात्र ग्रीन बेल्ट है। पर्यावरणविदों और पर्यावरणविदों ने पेड़ों की कटाई को रोकने की मांग की है, उन्हें डर है कि अगर यह बेल्ट नष्ट हो जाती है, तो इससे पर्यावरण को बड़ा झटका लगेगा और मानव स्वास्थ्य भी प्रभावित होगा। दहिसर से मीरा रोड तक 10.5 किमी मेट्रो 9 लाइन का काम मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने अपने हाथ में ले लिया है। इस लाइन के कार शेड राई, मुर्धा, मोरवा में प्रस्तावित थे। हालांकि, वहां के स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए, राज्य सरकार ने मेट्रो 9 को उत्तन, डोंगरी तक विस्तारित करने और डोंगरी में कार शेड बनाने का फैसला किया। इस निर्णय के अनुसार, कार शेड का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। चूंकि इस काम के लिए 1,406 पेड़ों को काटना पड़ेगा, इसलिए मीरा-भायंदर नगर पालिका ने सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से नागरिकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

नागरिकों, पर्यावरणविदों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने पेड़ों की कटाई का विरोध करते हुए अधिक से अधिक सुझाव और आपत्तियां दर्ज करने का फैसला किया है। 7 अक्टूबर को आरे से बीकेसी तक कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो 3 लाइन के पहले चरण को सेवा में लाने के बाद, मुंबईकर यह देखने का इंतजार कर रहे हैं कि बीकेसी से कफ परेड चरण कब पूरा होगा। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने दूसरे चरण को सेवा में लाने के लिए मई 2025 की तारीख दी है। हालांकि, उस समय तक पूरा चरण पूरा नहीं हो पाएगा। एमएमआरसी ने मार्च 2025 में बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक तक के चरण का काम पूरा करके इसे सेवा में लाने का फैसला किया है। इसके अनुसार, मई 2025 में इसे सेवा में लाने की संभावना है। फेज 2ए को बीकेसी से आचार्य अत्रे चौक कहा जाएगा, जबकि फेज 2बी को आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड कहा जाएगा। फेज 2ए के सेवा में आने के कुछ महीने बाद फेज 2बी को सेवा में लाया जाएगा। हालांकि एमएमआरसी की 33.5 किलोमीटर की भूमिगत मेट्रो लाइन ने आरे से बीकेसी तक की यात्रा को बहुत तेज और आसान बना दिया है, लेकिन इसे अभी तक अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हालांकि, एमएमआरसी दावा कर रहा है कि अगर पूरा रूट सेवा में लाया जाता है तो उसे अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। अब तक बीकेसी से कफ परेड रूट पर 88.1 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इसमें से आरे से आचार्य अत्रे चौक तक भूमिगत मेट्रो मई 2025 तक चलेगी। कुछ महीने पहले एमएमआरसी ने तीन चरणों की घोषणा की थी- आरे से बीकेसी, बीकेसी से वर्ली और वर्ली से कफ परेड। बाद में इसे बदलकर आरे से बीकेसी और बीकेसी से कफ परेड कर दिया गया। अब इसे फिर से बदला गया है और कहा जा रहा है कि नए चरण होंगे - बीकेसी से आचार्य अत्रे चरण और आचार्य अत्रे से कफ परेड। एमएमआरसी के प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े ने बताया कि बीकेसी से आचार्य अत्रे तक का चरण मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा।

बीड के सरकारी अस्पताल में नकली दवाओं का खुलासा, भिवंडी से जुड़े तार...

भिवंडी : बीड जिले के अंबेजोगाई स्थित स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नकली दवाओं का बड़ा खुलासा हुआ है। मामले की जांच में पता चला है कि यह नकली दवा भिवंडी से सप्लाई की गई थी। इस सिलसिले में भिवंडी के नारपोली स्थित ॲक्वेटीस बायोटेक प्रा. लि. के संचालक मिहिर त्रिवेदी और द्रिती सुमित त्रिवेदी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बीड के औषध निरीक्षक ने अस्पताल में उपलब्ध अजीमसीम 500 टैबलेट का नमूना मुंबई की सरकारी औषध परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा था।

रिपोर्ट में यह दवा नकली पाई गई। यह टैबलेट उत्तराखंड की एक फर्जी कंपनी ग्रीस्टल फॉर्मुलेशन से बनाई गई बताई गई थी, जो वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है। जांच में आगे पता चला कि यह दवा कोल्हापुर की विशाल एंटरप्राइजेस ने भिवंडी और सूरत स्थित कंपनियों से खरीदी थी। भिवंडी की ॲक्वेटीस बायोटेक प्रा. लि. और सूरत की फार्मासिक्स बायोटेक इस नेटवर्क में शामिल पाई गईं। भिवंडी की कंपनी ने यह दवा मिरा रोड की काबीज जनरिक हाउस से खरीदी थी, जिसने इसे देहरादून की एक कंपनी से प्राप्त बताया। हालांकि, जांच में यह खुलासा हुआ कि देहरादून में ऐसी कोई कंपनी मौजूद नहीं है।

मुंबई/ बांद्रा में तेज रफ्तार पोर्शे ने कई मोटरसाइकिलों को मारी टक्कर

कारोबारी का बेटा चला रहा था कार

मुंबई: बांद्रा इलाके में शनिवार को एक तेज रफ्तार पोर्शे कार ने फुटपाथ पर खड़ी मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। गनीमत ये रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने हादसे के बाद 19 साल के ध्रुव गुप्ता के खिलाफ लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है। पोर्शे कार ने मारी टक्कर पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना तड़के करीब 2:40 बजे सद्गुरु वासवानी चौक के पास हुई। कार चला रहे ध्रुव गुप्ता, एक प्रमुख व्यवसायी के बेटे हैं। वाहन से नियंत्रण खोने के बाद तेज रफ्तार पोर्शे ने फुटपाथ पर खड़ी कई मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। रिपोर्ट के मुताबिक कार में ध्रुव के साथ पांच अन्य लोग भी सवार थे जिसमें एक लड़की भी शामिल थी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने ध्रुव को हिरासत में लिया और उसके ब्लड सैंपल को जांच के लिए भेज दिया ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वो शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात बाइक को टक्कर मारने की यह पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। वीडियो में कार की तेज रफ्तार और मोटरसाइकिलों से टकराने की पूरी घटना देखी जा सकती है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इस घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि कार को फिलहाल जब्त कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है। शुरूआती जांच के आधार पर पुलिस ने ध्रुव गुप्ता पर लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

नवी मुंबई : बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में नवी मुंबई में हिंदू समाज सड़कों पर

नवी मुंबई : बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में नवी मुंबई में हिंदू समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया और मामले पर अपनी नाराजगी जाहिर की। विरोध प्रदर्शन के दौरान, इस्कॉन (कृष्णा चेतना के लिए अंतर्राष्ट्रीय समाज) के प्रतिनिधि अद्वैत चैतन्य महाराज ने कहा कि आजकल हिंदुओं की सहिष्णुता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है और यह सभी हिंदुओं का कर्तव्य है कि वे सड़क पर आएं और हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास के लिए न्याय की मांग करें, जिन्हें बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। महाराज ने कहा कि सभी हिंदुओं को एक साथ आने और इस अत्याचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने की जरूरत है और जब तक हिंदू इस मामले को लेकर सड़कों पर नहीं उतरते, भारत सरकार कुछ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा, ‘‘ हिंदुओं की सहनशीलता आज उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है... सभी हिंदुओं का कर्तव्य है कि वे सड़कों पर उतरें और चिन्मय कृष्ण दास के लिए न्याय की मांग करें... सभी हिंदुओं को एक साथ आकर इस अत्याचार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने की जरूरत है... जब तक हिंदू सड़कों पर नहीं उतरेंगे, भारत सरकार कुछ नहीं करेगी ... पूरे देश में करीब 100 करोड़ हिंदू हैं और अगर उनमें से आधे भी सड़कों पर उतर आए तो दुनिया को हिंदुओं की ताकत का एहसास होगा ।’’ गौरतलब है कि बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमले किए गए हैं। - अल्पसंख्यकों के घरों में आगजनी और लूटपाट तथा देवताओं और मंदिरों में तोड़फोड़ और अपवित्रता के मामले भी सामने आए हैं । 25 अक्टूबर को चटगांव में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के बाद भारी विरोध प्रदर्शन हुए।

मुंबई : अवैध सिम कार्ड आपूर्तिकताओं के गिरोह का भंडाफोड़ ... !

मुंबई : केंद्रीय साइबर पुलिस ने अवैध सिम कार्ड आपूर्तिकताओं के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है और शहर के विभिन्न हिस्सों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो प्रमुख मोबाइल सेवा प्रदाताओं के छह प्रत्यक्ष बिक्री अधिकारी और कोलाबा के दो दुकानदार शामिल हैं।

अवैध सिम कार्ड रैकेट का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी निष्क्रिय या बंद हो चुके मोबाइल नंबरों को पोर्ट करके और असहाय ग्राहकों के बायोमेट्रिक विवरणों की नकल करके नए सिम कार्ड बनाते थे; फिर वे सिम कार्ड को साइबर धोखाधड़ी करने वालों और विदेशी पर्यटकों को 5,000-10,000 रुपये प्रति सिम कार्ड की दर से ऊंची कीमतों पर बेचते थे। अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले की शिकायत की जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया, जिसमें पता चला कि आरोपी के ग्राहकों सहित साइबर धोखाधड़ी करने वाले एक महीने में एक ही डिवाइस पर 5,000-7,000 सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे।

जुलाई में, मुंबई सेंट्रल के एक निवासी ने सेंट्रल साइबर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और बताया कि ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग पर एक व्हाट्सएप ग्रुप चलाने वाले साइबर जालसाजों ने उसके साथ ₹51.33 लाख की ठगी की है। उसे 14 मई को ‘MSFL स्टॉक चार्ट 33’नाम के ग्रुप में बेतरतीब ढंग से जोड़ा गया था। कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश के बारे में ग्रुप एडमिन से मिली सलाह और सदस्यों द्वारा भारी मुनाफे के दावों से प्रभावित होकर, उसने 28 जून तक कई किस्तों में पैसे निवेश किए, जिसमें उसके वर्चुअल अकाउंट में अविश्वसनीय रूप से उच्च रिटर्न दिखा। उसने पुलिस को बताया कि जब उसने पैसे निकालने की कोशिश की तो उसका झूठ पकड़ा गया।

सेंट्रल साइबर पुलिस स्टेशन की इंस्पेक्टर मौसमी पाटिल ने कहा, ‘‘हमने शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए व्हाट्सएप ग्रुप को फॉलो करना शुरू किया, कुछ ऐसे नंबरों पर ध्यान केंद्रित किया जो सबसे अधिक सक्रिय थे और उन्हें ट्रैक करना शुरू किया।’’ अक्टूबर में, यह पाया गया कि पश्चिम बंगाल में इस्तेमाल किए जा रहे नंबरों में से एक को हाल ही में एयरटेल से कोलाबा में वीआई में पोर्ट किया गया था, जो वीआई के डायरेक्ट सेल्स एग्जीक्यूटिव रोहित कन्हैयालाल यादव के माध्यम से था।

आरोपियों की पहचान और उन्हें पकड़ना यादव ने पुलिस को जिस व्हाट्सएप ग्रुप के बारे में बताया, उसके तीन एडमिन थे - महेश पवार, जो वीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक हैं; राज रविनाथ आर्डे, जो वीआई के डायरेक्ट सेल्स एजेंट हैं; और गुलाबचंद कन्हैया जैसवार, जो एयरटेल के डायरेक्ट सेल्स एजेंट हैं। इस ग्रुप में तीन अन्य वीआई सेल्स एजेंट भी शामिल थे - महेश महादेव कदम, रोहित कन्हैयालाल यादव, सागर पांडुरंग ठाकुर। पुलिस ने बताया कि व्हाट्सएप चैट हिस्ट्री और मोबाइल सेवा प्रदाताओं से तकनीकी सहायता के आधार पर की गई जांच में पता चला कि पवार सरगना था, जबकि कदम, यादव, ठाकुर, अर्डे और जैसवार उसके अधीन काम करते थे, जो अन्य राज्यों से कई एयरटेल नंबरों को अवैध रूप से मुंबई में वीआई में पोर्ट करते थे। पुलिस ने पाया कि समूह ने नए सिम कार्ड बनाने के लिए दो तरीकों का इस्तेमाल किया।सबसे पहले, जब ग्राहक सिम कार्ड के लिए बिक्री एजेंटों/दुकानदारों से संपर्क करते थे, तो वे कुछ तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए दो या तीन बार फिंगरप्रिंट और बायोमेट्रिक विवरण लेते थे और ग्राहक को बताए बिना एक से अधिक सिम कार्ड बना लेते थे।

जाली नोट जमा कराने की कोशिश मामला दर्ज...

ठाणे : ठाणे जिले में एक सहकारी बैंक में जाली नोट जमा कराने की कोशिश के आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि डोंबिवली पुलिस ने आरोपी (48) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 179 (जाली या नकली सिक्के, सरकारी स्टांप, नोट या बैंक मुद्रा को असली मुद्रा के तौर पर इस्तेमाल करना) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि खडावली का रहने वाला आरोपी तीन दिसंबर को 45,000 रुपये जमा करने के लिए बैंक गया था। इसमें सभी नोट 500 के थे। हालांकि, जांच के बाद 45 नोट नकली पाए गए। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि नोट कहां से आए।

मुंबई : 35 वर्षीय गृहिणी ने खुद को साइबर धोखाधड़ी से बचाया

मुंबई : मुंबई 35 वर्षीय गृहिणी ने सतर्कता बरतते हुए खुद को साइबर धोखाधड़ी से बचा लिया। दो लोगों ने उसे फोन किया - एक ने भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के लिए काम करने का दावा किया और दूसरे ने अपराध शाखा अधिकारी होने का दावा किया। शुरू में, उन पर विश्वास करते हुए, उसने उनके निदेशों का पालन किया, यहाँ तक कि उन्हें अपना फोटो और आधार कार्ड की एक छवि भी भेजी। लेकिन जब जालसाजों ने उसके बैंक खाते का विवरण मांगा, तो उसे गड़बड़ी का संदेह हुआ और उसने उनसे कहा कि वह मामले को सुलझाने के लिए पुलिस आयुक्त (सीपी कार्यालय) के कार्यालय जाएगी, जिस पर जालसाजों ने कॉल काट दिया। उसने पुलिस से संपर्क किया, और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। दहिसर की गृहिणी ने साइबर धोखाधड़ी को मात दी

दहिसर पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता कविता पाटकर को सुबह 10.30 बजे एक कॉल आया। कॉल में एक रिकॉर्ड किया गया संदेश था, जिसमें उसे बताया गया था कि उसकी मोबाइल फोन सेवाएँ जल्द ही बंद हो जाएँगी, और यह जानना था कि उसे 1 क्यों दबाना पड़ा। उसके ऐसा करने के बाद, खुद को रोहित सिंह बताने वाले एक व्यक्ति ने कॉल किया, कथित तौर पर ट्राई अधिकारी के रूप में पेश किया, और बताया कि उसके नंबर का इस्तेमाल लगभग 15 से 20 लोगों को ठगने के लिए किया गया था, जिन्होंने नंबर धारक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

उसने पूछा कि क्या उसने अपना आधार कार्ड खो दिया है या किसी ऐसे व्यक्ति को दे दिया है जिसने इस अपराध में इस्तेमाल किए गए फोन नंबर को हासिल करने के लिए इसका इस्तेमाल किया हो। जब पाटकर ने इनकार किया, तो उसने उसे बताया कि वह एक अपराध शाखा अधिकारी से जुड़ जाएगी, और वह अपना फोन नंबर चालू रखने के लिए अढ@ ३१ॅ५ीÈ्.ल्ल पर ईमेल कर सकती है। रोहित ने उसे एक अन्य व्यक्ति से जोड़ा, जिसने कथित तौर पर खुद को संजय सिंह के रूप में पेश किया, उसे वैध दिखने के लिए अपना आईडी नंबर बताया। उसने पहले व्हाट्सएप पर उसकी तस्वीर और उसके आधार कार्ड की एक छवि मांगी। फिर उसने कहा कि वह उससे वीडियो कॉल पर सवाल पूछेगा। उसने उसके निर्देशों का पालन किया। पाटकर ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा, ‘‘मुझे एक आदमी का वीडियो कॉल आया जो पुलिस की वर्दी में बैठा था और बैकग्राउंड में मुंबई पुलिस का लोगो था, इसलिए मुझे कुछ भी संदेह नहीं हुआ।’’ संजय ने उसे बताया कि आईसीआईसीआई बैंक में उसके खाते का इस्तेमाल पूजा म्हात्रे द्वारा लूटे गए ₹2.60 करोड़ का 10% प्राप्त करने के लिए किया गया था। उसने उसे पाँच ‘संदिग्धों’की तस्वीरें दिखाईं और उससे पूछा कि क्या वह उनमें से किसी को पहचानती है।

भीषण आग का तांडव...

तीन गोदाम और इंटीरियर कंपनी जलकर खाक

भिवंडी : भिवंडी शहर और आसपास के इलाकों में आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। वलपाडा इलाके में स्थित ग्लोबल कॉम्प्लेक्स के भंगार गोदामों और एक इंटीरियर सॉल्यूशन कंपनी में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। आग की इस घटना में शुभम इंटीरियर सॉल्यूशन कंपनी और तीन भंगार गोदाम पूरी तरह जलकर खाक हो गए। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात करीब 12 बजे हुआ। पहले एक गोदाम में आग लगी, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और पास के अन्य गोदामों और इंटीरियर कंपनी को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी महानगरपालिका की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान आसपास के घरों को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अग्निशमन अधिकारी

राजेश पवार ने बताया कि फिलहाल घटनास्थल पर कूलिंग का काम जारी है। इस आगजनी में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, लाखों रुपए की संपत्ति के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

गौरतलब है कि हाल ही में भिवंडी के वडपा खिंड कुकसे गांव में भी प्लास्टिक और कॉस्मेटिक गोदाम में भीषण आग लगने की घटना हुई थी। इन घटनाओं से स्थानीय लोग डरे हुए हैं और प्रशासन से आग की इन घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस ने आगजनी की घटना की जांच शुरू कर दी है।

मुंबई भाजपा के कोलाबा विधायक राहुल नार्वेकर दूसरी बार विधानसभा के अध्यक्ष

मुंबई : मुंबई भाजपा के कोलाबा विधायक राहुल नार्वेकर दूसरी बार विधानसभा के अध्यक्ष चुने जाने वाले हैं, यह रिकॉर्ड अब तक केवल कांग्रेस विधायक बालासाहेब भारदे के नाम था। नार्वेकर की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा सोमवार को की जाएगी। विधान भवन में विशेष विधानसभा सत्र के दौरान राहुल नार्वेकर, रविवार, 8 दिसंबर, 2024 को।15वीं महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने के दिन, नार्वेकर का आवेदन ही एकमात्र ऐसा आवेदन था जिसे रिटर्निंग अधिकारी जितेंद्र भोले ने प्राप्त किया था। विपक्ष के पास इस पद का दावा करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर तीन दिवसीय विशेष सत्र के अंतिम दिन निचले सदन में नार्वेकर के नाम की घोषणा करके प्रक्रिया पूरी करेंगे।

दूसरे विधायक हैं। गांधीवादी और कांग्रेस नेता बालासाहेब उर्फ त्र्यंबक भारदे, जिन्होंने अहमदनगर के शेवगांव का प्रतिनिधित्व किया, 1962 से 1972 तक स्पीकर के रूप में कार्य

किया। नारवेकर ने 3 जुलाई, 2022 से ढाई साल का कार्यकाल पूरा किया और इस पद पर चुने जाने पर वे दूसरे सबसे कम उम्र के स्पीकर थे। शिवराज चाकुकर पाटिल मार्च 1978 में इस पद के लिए चुने जाने पर महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के स्पीकर थे। तब उनकी उम्र 42 वर्ष थी।

इस साल नवंबर में अपने चुनावी हलफनामे में, नार्वेकर ने अपनी संपत्ति ₹129.81 करोड़ बताई, जो 2019 में ₹38.09 करोड़ और 2014 में ₹10 करोड़ थी। उनके छोटे भाई मकरंद और भाभी हर्षिता कोलाबा और कफ परेड से पूर्व बीएमसी पार्षद थे, जबकि उनके पिता सुरेश नार्वेकर भी कोलाबा से पार्षद थे। अपने कार्यकाल के दौरान, नार्वेकर ने दो महत्वपूर्ण फैसले सुनाए। शिवसेना और एनसीपी में क्रमशः जून 2022 और जुलाई 2023 में विभाजन हो गया था और अध्यक्ष के रूप में नार्वेकर ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ''असली'' शिवसेना और एनसीपी पर फैसला करने के लिए सुनवाई की थी। उन्होंने फैसला सुनाया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना और अजीत पवार के नेतृत्व में एनसीपी के अलग हुए गुट ही असली दल हैं और अविभाजित दलों का नाम और चुनाव चिह्न उन्हें आवंटित किया गया था। विधायक दलबदल विरोधी कानून में विधायकों और सांसदों के दलबदल से निपटने वाले संवैधानिक प्रावधानों पर विचार करने के लिए एक समिति का भी नेतृत्व कर रहे हैं।

मुंबईः चिकन शॉप का मालिक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार

मुंबईः पुलिस ने एक चिकन शॉप के मालिक को नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने और मुफ्त चिकन के बदले में यौन संबंध बनाने की मांग करने के आरोप में गिरफ्तार किया। साकीनाका पुलिस के अनुसार, पीड़िता पवई में रहती है। उसकी मां ने उसे चिकन खरीदने के लिए दुकान पर भेजा। आरोपी मोहम्मद यूसुफाली खान ने कथित तौर पर दुकान में उसे अनुचित तरीके से छुआ और उसे हर दिन आधे घंटे के लिए मिलने पर 500 रुपये देने की पेशकश की। उसने यौन संबंधों के बदले में मुफ्त चिकन देने की भी पेशकश की। यह सुनकर लड़की हैरान रह गई और रोते हुए घर भागी।

जब उसने अपनी मां को घटना के बारे में बताया, तो उसने खान से उसकी दुकान पर जाकर बात की, लेकिन उसने आरोपों से इनकार किया और उसे गाली देना शुरू कर दिया। जब उनके बीच मौखिक झगड़ा हिंसक रूप ले लिया, तो अन्य निवासियों ने पुलिस को सूचित किया। एक टीम मौके पर पहुंची और लड़की की मां से छेड़छाड़ के बारे में जानकारी ली। खान पर भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साकीनाका पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमने खान को गिरफ्तार कर लिया है और उसे अदालत में पेश किया है, जहां उसे सोमवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।'

PM मोदी की हत्या की धमकी, मुंबई पुलिस ने आरोपी को अजमेर से पकड़ा...

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या की धमकी देने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. मुंबई की वर्ली पुलिस ने राजस्थान के अजमेर से आरोपी को पकड़ा है. पूछताछ में पता चला है कि आरोपी ने शराब के नशे में धुत होकर ट्रैफिक कंट्रोल को मैसेज भेजा था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी 36 साल का है, जिसने अपना नाम मोहम्मद बेग मिर्जा बताया है. वह अजमेर की एक कंपनी में टर्नर का काम करता है.

नशे में ऑफिस जाने पर भगाया गया था आरोपी

सूत्रों की मानें तो शनिवार को शराब पीने के बाद आरोपी काम पर गया था, लेकिन उसके बॉस ने उसे घर भेज दिया क्योंकि वह बहुत नशे में था. इसके बाद आरोपी ने गुस्से और नशे की हालत में पीएम मोदी की जान को खतरा बताते हुए एक मैसेज टाइप किया और उसे मुंबई में ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल के नंबर पर भेज दिया.

मुंबई और धनबाद में ब्लास्ट का दावा भी

शनिवार को सुबह 2.00 बजे मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल रूम को अपने मोबाइल नंबर पर यह मैसेज मिला था, जिसमें पीएम की हत्या की साजिश का दावा किया गया था. मैसेज में यह भी दावा किया गया था कि कुछ लोग मुंबई और धनबाद में बम विस्फोट की योजना बना रहे हैं और भारतीय सेना को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं. इसके अलावा, मैसेज में यह भी लिखा था कि संदिग्धों में से एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा है. मैसेज में एक कंपनी में अवैध हथियार बनाने में शामिल संदिग्धों का जिक्र था और प्रधानमंत्री और सेना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश किए जाने का दावा भी था.

दो व्यक्तियों के नाम का भी जिक्र

मैसेज में प्रिंस खान और इरफान रजादिया नामक दो व्यक्तियों की पहचान की गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि एक ने धनबाद और दूसरे ने मुंबई में बम विस्फोट करने की योजना बनाई थी. इसमें इरफान नाम के व्यक्ति से जुड़ा एक मोबाइल नंबर भी शामिल था.

संवेदनशील क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने के आरोप में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई : एयरपोर्ट पुलिस ने घरेलू एयरपोर्ट हैंगर के संवेदनशील क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एयरपोर्ट पुलिस ने अज्ञात ड्रोन ऑपरेटर की तलाश शुरू की प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल विनोद शिरसाट गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें दोपहर 12.30 बजे एक कॉल आया, जिसमें बताया गया कि घरेलू एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर पुराने एयर इंडिया एयरलाइन हैंगर के टैक्सीवे के पास ड्रोन जैसी कोई वस्तु गिरी है। शिरसाट ने बीवीजी के सफाई कर्मचारी इमरान मुराद से बात की और उसे अज्ञात वस्तु की जांच करने के लिए भेजा। जांच के बाद पता चला कि वह वस्तु ड्रोन थी। मुराद ने ड्रोन को अपने सुपरवाइजर बाबू नाटेकर को सौंप दिया, जिन्होंने एयरपोर्ट पुलिस को इसकी सूचना दी। भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (लोक सेवकों द्वारा जारी आदेशों की अवज्ञा) के तहत मामला दर्ज किया गया, क्योंकि मुंबई पुलिस द्वारा सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। एयरपोर्ट सुरक्षाकर्मियों ने ड्रोन को नियंत्रित करने वाले व्यक्ति की तलाश में परिसर की तलाशी ली, लेकिन ड्रोन नहीं मिला। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हम ड्रोन के मालिक का पता लगा रहे हैं।'

मुंबई-अहमदाबाद के बाद दिल्ली-वाराणसी के बीच कॉरिडोर बनाने की तैयारी

मुंबई : भारत में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर जोर-शोर से काम चल रहा है. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की तैयारी अपने अंतिम चरण है. इसी बीच सरकार देशभर में बुलेट ट्रेन नेटवर्क का विस्तार करने की तैयारी में है, जिसमें कई नए कॉरिडोर शामिल होंगे. यह देश की रेल कनेक्टिविटी को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना है. इसकी कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है. इस प्रोजेक्ट को जापान सरकार के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से डेवलप किया जा रहा है. इस कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन होंगे. जिनमें मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा शामिल हैं. इस प्रोजेक्ट के तहत 21 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे की सुरंग का निर्माण भी शुरू हो चुका है. मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है.

बांद्रा : संपत्ति विवाद को लेकर भतीजे की हत्या करने वाले दंपति गिरफ्तार...

मुंबई : मुंबई पुलिस ने एक दंपति को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने संपत्ति विवाद को लेकर अपने भतीजे की हत्या कर दी और अपने परपोते को घायल कर दिया। संपत्ति विवाद को लेकर भतीजे की हत्या करने वाले दंपति को गिरफ्तार किया गया बांद्रा पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान 56 वर्षीय हबीबुर रहमान खान और उनकी पत्नी 36 वर्षीय सना खान के रूप में हुई है। वे दोनों बांद्रा पश्चिम के निवासी हैं।

शनिवार रात 10 बजे बांद्रा पुलिस को निवासियों ने गेटी गैलेक्सी थिएटर के पास एक परिवार के भीतर हुई लड़ाई के बारे में सूचित किया। मौके पर पहुंचने पर, उन्होंने 33 वर्षीय कामरान फैजल फजल को खून से लथपथ पाया और उसका 18 वर्षीय भतीजा सादिकिन रियासुद्दीन सैय्यद घायल हो गया। पुलिस ने फजल को भाभा अस्पताल पहुंचाया, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। सैय्यद को मामूली चोटें आईं, उसने पुलिस को बताया कि वे उस रात विवादित संपत्ति के बारे में फजल के चाचा और चाची से बात करने गए थे। बुजुर्ग दंपत्ति और फजल के बीच झगड़ा हुआ, जिसके दौरान खान ने बांस की छड़ी उठाई और दोनों लोगों की पिटाई कर दी। फजल की मौत हिंसा में हो गई, जबकि सैय्यद मामूली रूप से घायल हो गया।सैय्यद के बयान के आधार पर दंपत्ति पर हत्या का मामला दर्ज किया गया और उन्हें बांद्रा पुलिस स्टेशन ने गिरफ्तार कर लिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com